



V. C. Sir @ AYUSH University GKP  
yesterday at 8:45 am

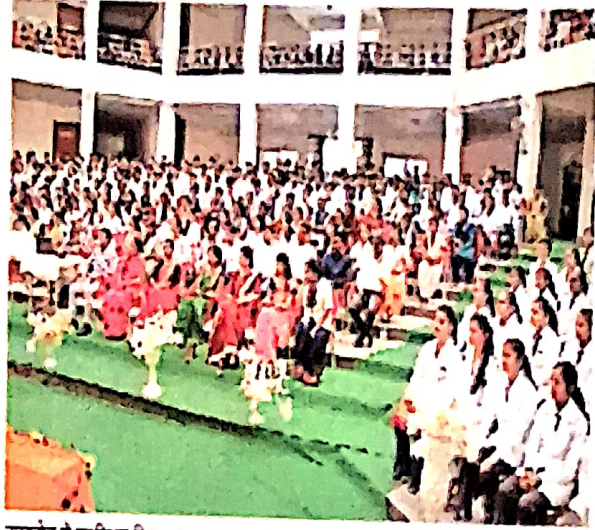


32

## आयुर्वेद चिकित्सा में विश्वगुरु बनने की क्षमता

जगरण संस्कृत गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालाघार के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में सोमवार को सात दिन चलने वाले सत्रवे आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयंती समारोह का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. एके. सिंह ने कहा कि दुनिया की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में विश्वगुरु बनने की क्षमता है। हानिरहित इस चिकित्सा पद्धति के प्रति बढ़ रही जन जागरूकता को और तंत्र किए जाने की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय पालांभात के प्राचार्य प्रो. एसएस बेदार ने कहा कि आयुर्वेद का महत्व दिनों दिन बढ़ रहा है। 2022 से 2047 तक का समय आयुर्वेद का अमृत काल है। आयुर्वेद को



समारोह में उपस्थित शिक्षक व एमन-एनचार • जगरण

वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति का बजाय प्रथम चिकित्सा पद्धति में स्वांकार करना होगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति प्रो. यूपी सिंह ने कहा कि कोरोना संकट काल में पूरे विश्व ने आयुर्वेद को महाना को स्वांकार किया है। अध्यक्षाता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेयी ने कहा कि चिकित्सा पद्धतियों में

आयुर्वेद सबसे पुरातन है। संचालन शांभवी शुक्ला व आशीष चौधरी ने किया। इस अवसर पर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय की प्रोफेसर डा. शशि रमा, दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय के डा. हीमा सिंह, गुरु श्रीगोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की प्राचार्य डा. एंएस अजाया, डा. सुनील सिंह, डा. गणेश पाटिल, डा. प्रजा सिंह उपस्थित थीं।

